

RUSA 2.0

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE

V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG (C.G.)

**Name of Programme/Activity, Allocated
Amount, Expenditure, and Balance under
RUSA 2.0**

YEAR	कार्यक्रम	आवंटन	व्यय	बचत	औचित्य	कार्यक्रम का आउटपुट
2022-23	स्टडी टूर	15000	15000			
	राष्ट्रीय सेमिनार	75000	75000			
	प्रकाशन	44853	44853		महाविद्यालय की शोध पत्रिका रिसर्च एक्सप्लोरेशन का आनलाइन संस्करण , सभी अंकों का आर्काइव एवं लैंडिंग पेज का निर्माण, शोध पत्रिका एवं उसमें प्रकाशित शोध पत्रों हेतु doi डिजिटल ऑब्जेक्ट आइडेन्टिफायर नम्बर हेतु नम्बर प्रदाता अन्तर्राष्ट्रीय संस्था crossref की वार्षिक सदस्यता तथा doi हेतु भुगतान एवं हार्ड कापी का प्रकाशन ।	
2023-24	एक्सटेंशन एक्टिविटी	40000	38494			
	स्टडी टूर	50000	50000			
	राष्ट्रीय सेमिनार	100000	100000			
	प्रकाशन	16694	16694		Book Gandhian thought	
	वर्चुअल क्लासरूम	312202			रूसा समिति के निर्णयानुसार	
	Youth Parliament (वर्कशाप)	50000	50000			
	लैब मेन्टेनेंस	7184				Computer repairing

2024-25	एक्सटेन्शन एक्टिविटी	30000	30000			
	स्टडी टूर	45000	45000			
	राष्ट्रीय सेमिनार	150000	137825			
	Guest Lecture	30000	4896			
	प्रकाशन	26946	26946		Crossref वार्षिक सदस्यता 23904 एवं doi शुल्क 3042	

NATIONAL SEMINAR

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी: गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकता

दिनांक 28.02.2023

दिनांक 28.02.2023 को शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) में राजनीति विज्ञान एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "समकालीन सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ में गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकता" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह के मार्गदर्शन में तथा राष्ट्रीय उत्त्तर शिक्षा अभियान (रुसा) के सहयोग से संपन्न हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पं. सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर एवं अध्यक्षता डॉ. सुशील चंद्र तिवारी, क्षेत्रीय अपर संचालक एवं प्राचार्य, वी. वी. पाटनकर महिला महाविद्यालय, दुर्ग ने की। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. बी. एम. शर्मा तथा विषय विशेषज्ञ डॉ. सतीश कुमार उपस्थित रहे। मंच संचालन में डॉ. सपना शर्मा सारस्वत तथा कार्यक्रम समन्वय में डॉ. राजेंद्र चौबे, डॉ. शकील हुसैन एवं अन्य सहयोगी प्राध्यापक सक्रिय रहे।

संगोष्ठी में 213 शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों ने भाग लिया और शोध पत्र प्रस्तुत किए। अतिथियों ने गांधीवादी विचारों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किए। संगोष्ठी का उद्देश्य गांधीजी के विचारों को समकालीन संदर्भ में समझना एवं आत्मसात करना रहा। कार्यक्रम का समापन आभार ज्ञापन एवं धन्यवाद के साथ हुआ।



विषय: “हिमालयी क्षेत्र: पर्यावरण, संस्कृति, अर्थव्यवस्था एवं भू-राजनीति”

तिथि: 3 फरवरी 2024

प्रस्तावना

संगोष्ठी का उद्देश्य हिमालय क्षेत्र के बहुआयामी महत्व (पर्यावरण, संस्कृति, अर्थव्यवस्था, भू-राजनीति) पर विचार करना था। विभिन्न राज्यों (छत्तीसगढ़, दिल्ली, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश) से प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कुल प्रतिभागी: लगभग 120, संकाय सदस्य: 40, शोधार्थी: 50, पी.जी. छात्र: 30

प्रमुख उद्देश्य

हिमालय से जुड़ी पर्यावरणीय, आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा।

युवाओं और शोधार्थियों को मंच प्रदान करना।

हिमालय पर केंद्रित शोध को प्रोत्साहन देना।

नीति-निर्माण हेतु अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना।

प्रमुख गतिविधियाँ

उद्घाटन: माँ सरस्वती की वंदना व दीप प्रज्वलन।

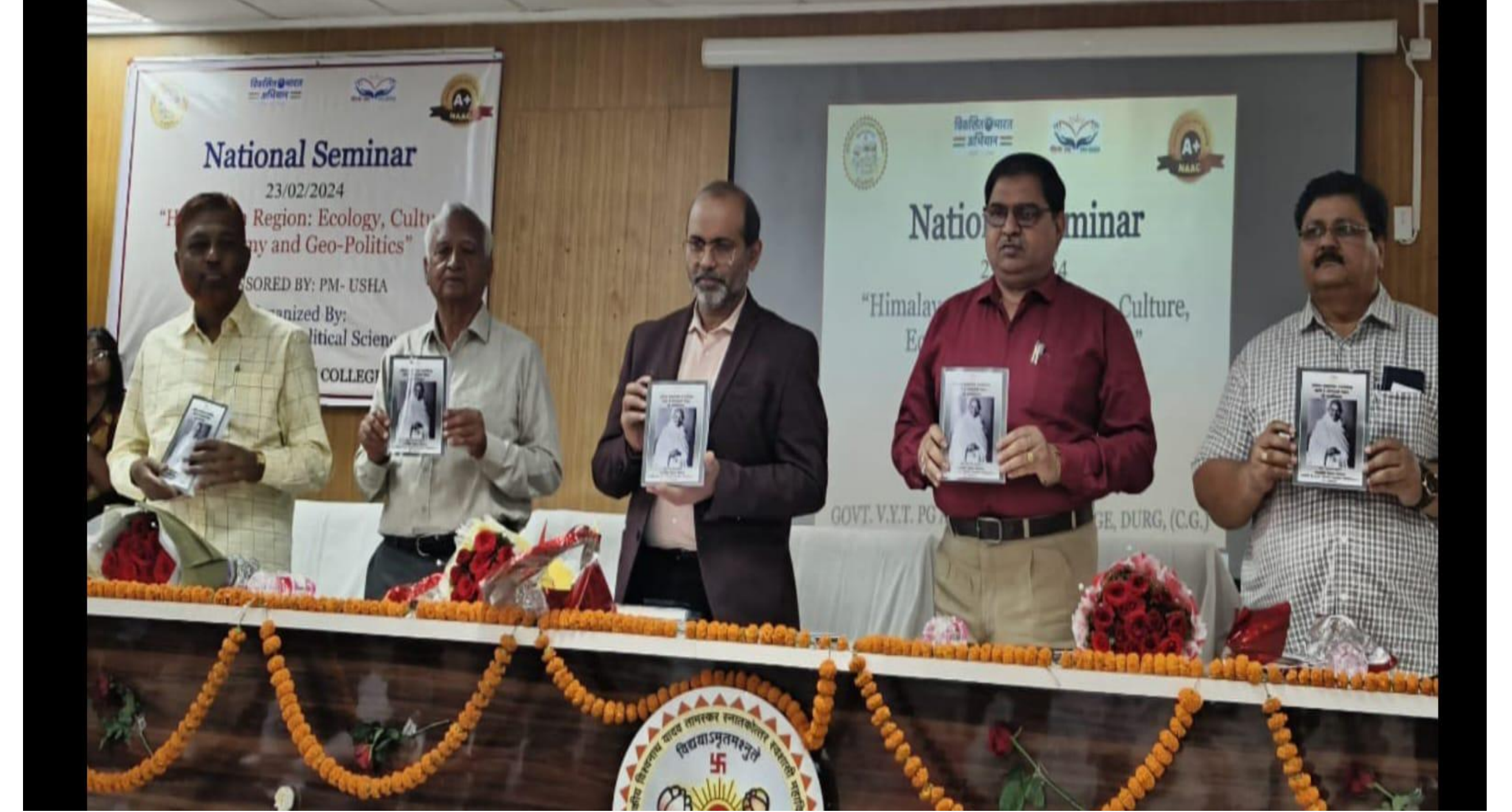
स्वागत भाषण: प्राचार्य डॉ. सिद्दीकी द्वारा।

मुख्य अतिथि: श्री गोपाल राय बेहरा एवं श्री आलोक बंसल।

आयोजन सचिव डॉ. शकील हुसैन द्वारा विषयवस्तु की प्रस्तुति।

तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों व शोधार्थियों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुति।

संवाद एवं प्रश्नोत्तर सत्र से सार्थक चर्चा।



शोध पत्र और प्रकाशन

- कुल प्राप्त शोध पत्र: 65
- चयनित उत्कृष्ट शोध पत्र: 30

विषय:

- हिमालयी पारिस्थितिकी
- पर्यटन व अर्थव्यवस्था
- सांस्कृतिक धरोहर
- सुरक्षा नीति में हिमालय
- जलवायु परिवर्तन
- चयनित शोध पत्रों का ISBN सहित प्रकाशन प्रस्तावित।

निष्कर्ष व उपलब्धियाँ

- हिमालय की विविधतापूर्ण समस्याओं व संभावनाओं की समझ में वृद्धि।
- युवाओं को प्रस्तुति व संवाद का अवसर मिला।
- चयनित शोधपत्रों के प्रकाशन से अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा।
- संरक्षण एवं विकास पर राष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित हुआ।



ABOUT SEMINAR

Himalaya is our natural sentinel from its origin. It is the source of our rivers from Indus, Ganga, to Brahmaputra. It is full of minerals and other natural resources. Its passes were silk routes for our traders and were gateways to China, Central Asia and other places. Besides this, the Himalayan region has a very important geo-physical position for world politics, from 19th century to cold war, and even after cold war it has very serious geo-political relevance and implications for Indian security. Therefore the Department of Political Science has decided to organise a national seminar on this relevant topic so that academia of the nation could discuss it pathologically and present their view on Indian security.

Call For Abstract and full paper-

Abstract
of original research work maximum 200 words.

Full paper
Maximum 5000 words.

Font
For English- Times New Roman, font size 12 and spacing 1.5.
For Hindi - Unicode 12 spacing 1.5

Selected 30 papers will be published in book form with ISBN by the department.

Mail id for abstract and paper submission -
Vytpolsc@gmail.com

Publication charges for book publication 2000rs.

REGISTRATION DETAILS
Registration link & QR Code
https://docs.google.com/forms/d/1FAIpQLSdkeY-DnK36XSDRbUjMyU0HPlatOx9-53qzzf_wjOJQ/viewform

Registration Fee	
Faculty	: 600/-
Research scholars	: 400/-
PG students	: 200/-

Registration Fee can be paid through mobile and Net Banking.
Account Details:
Bank of Baroda
A/c No. 72900100001599
IFSC: BARB0DBMDUR
Branch Mohan Nagar Durg, C.G.
(Use zero after B in IFSC code)

NATIONAL SEMINAR ON
"Himalayan Region: Environment, Culture, Economy and Geo-Politics"

ON 23th February 2024

ORGANISED BY
DEPARTMENTS OF POLITICAL SCIENCE

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE DURG
NAAC Accredited
A+ Institution

COMMUNICATION

Dr. Shakeel Husain 8319735275 shakeel27vns@gmail.com	Tarun Sahu 9827215859 tarunkumar.sahu04@gmail.com
--	--

हिमालय हिंद महासागर राष्ट्र समूह एवं भारत सांस्कृतिक, आर्थिक, रणनीतिक संबंध"

तिथि: 3-4,03.2025

आयोजक: शा. वि. या. ता. स्ना. स्वा. महाविद्यालय, दुर्ग का राजनीति विभाग

अध्यक्षता: प्रो. अनीलचंद यादव (पूर्व कुलपति)

- मुख्य अतिथि: डॉ. रमाकांत कोल्हे (राज्य विश्वविद्यालय कुलपति परिषद् सदस्य)

मुख्य बिंदु:

- संगोष्ठी में यह चर्चा हुई कि हिमालय से हिंद महासागर तक फैले राष्ट्र समूह भारत के साथ सांस्कृतिक, आर्थिक एवं रणनीतिक रूप से गहराई से जुड़े हैं।
- डॉ. रमाकांत कोल्हे ने भारत की प्राचीन सांस्कृतिक जड़ों और रणनीतिक महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि भारत को अपनी भूमिका को सशक्त और निर्णायक बनाना चाहिए।
- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जागरण मंच से आए राष्ट्रीय संयोजक मोहनलाल बिसारिया ने हिंद महासागर नीति, सुरक्षा और सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर प्रकाश डाला।
- संगोष्ठी में यह बात भी रखी गई कि यूरोपीय देशों की तर्ज पर भारत को भी इस क्षेत्रीय सहयोग समूह को मजबूती देनी चाहिए।
- विषय विशेषज्ञों ने इस क्षेत्र में संस्कृति, भाषा, धर्म और इतिहास की समानता पर बल दिया और भारत के नेतृत्व की आवश्यकता बताई।



हिमालय हिंद महासागर राष्ट्र समूह एवं भारत सांस्कृतिक, आर्थिक, रणनीतिक संबंध पर संगोष्ठी

दुर्ग, 6 मार्च (देशबन्धु)। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में राजनीति विभाग द्वारा विषय हिमालय हिंद महासागर राष्ट्र समूह एवं भारत सांस्कृतिक, आर्थिक, रणनीतिक संबंध एवं संभावना, दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमचंद्र यादव दुर्ग विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा. एन. पी. दीक्षित थे, डॉ. दीक्षित ने अपने संबोधन में हिमालय हिंद महासागर क्षेत्र की महत्ता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इस क्षेत्र की सांस्कृतिक एकता को आवश्यक बताया तथा यह भी बताया कि हिमालय क्षेत्र का विस्तार ईरान, इराक से इंडोनेशिया तक है इंडोनेशिया का ग्रीक में अर्थ है भारत का द्वीप। राजनीति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन द्वारा विषय की प्रस्तावना रखी और यह



बताया कि इस विषय को चर्चा के लिए चुनने का मुख्य आधार संस्कृति व सुरक्षा के पारस्परिक सम्बन्धों को समझना है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने अखंड भारत का संदेश दिया कि अखंड भारत के लिए क्षेत्र में सांस्कृतिक एकता आवश्यक है। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के राष्ट्रीय सह संगठनमंत्री विक्रमादित्य सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा की

जिस प्रकार यूरोपीय देशों में एकता देखी जाती है उसी प्रकार हिंद महासागरीय राष्ट्र समूह की भी एकता होनी चाहिए। इंग्लैंड दिल्ली के प्रोफेसर सतीश कुमार ने अपने वक्तव्य में बताया कि शंघाई को आपरेशन एच।आई. जैसे संगठन भारत के लिए ज्यादा कारगर नहीं हो सके क्योंकि इन संगठनों की डोर भारत के हाथ में नहीं थी, तथा भारत नेपाल के सम्बन्ध में चीन के हस्तक्षेप को भी आपने खतरनाक बताया। राष्ट्रीय सुरक्षा

जागरण मंच के राष्ट्रीय संगठनमंत्री गोलक बिहारी राय ने बताया कि चीन की विस्तारवादी नीतियों के कारण पड़ोसी देशों की संप्रभुता खतरे में पड़ गयी है। संगोष्ठी के द्वितीय दिवस के मुख्य वक्ता श्री सप्रे ने भारतीय ज्ञान परंपरा का विस्तार पूर्वक वर्णन कर संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। हिमाचल प्रदेश केन्द्रिय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति विभाग के उपाध्यक्ष प्रोफेसर कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री ने चीन के विस्तारवाद पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया की किस प्रकार चीन ने मंगोलिया तिब्बत और उईगुर प्रांत को निगल लिया। भारत की सीमाओं पर चीन का बढ़ते खतरे के प्रति सावधान रहना तथा चीन की विस्तारवादी नीति पर अंकुश लगाना आवश्यक है। संगोष्ठी में आए >> शेष पृष्ठ 9 पर >>

इसस अपका ध्यान पढ़ाई म लग रहगा।

साइंस कॉलेज के राजनीति विभाग द्वारा दो दिवसीय संगोष्ठी आयोजित

हिमालय-हिंद महासागर राष्ट्र समूह की एकजुटता जरूरी, नहीं तो चीन जैसे देश हमारे लिए सबसे बड़ा खतरा

कार्नर
न्यूज

दुर्ग। साइंस कॉलेज के राजनीति विभाग द्वारा हिमालय-हिंद महासागर राष्ट्र समूह एवं भारत सांस्कृतिक, आर्थिक, रणनीतिक संबंध एवं संभावनाएं विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमचंद्र यादव दुर्ग विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एन. पी. दीक्षित थे। डॉ. दीक्षित ने अपने संबोधन में हिमालय हिंद महासागर क्षेत्र की महत्ता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इस क्षेत्र की सांस्कृतिक एकता को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि हिमालय क्षेत्र का विस्तार ईरान, इराक से इंडोनेशिया तक है। इंडोनेशिया का ग्रीक में अर्थ है भारत का द्वीप। राजनीति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन द्वारा विषय की प्रस्तावना रखी और यह बताया कि इस विषय को चर्चा के लिए चुनने का मुख्य आधार, संस्कृति व सुरक्षा के पारस्परिक सम्बन्धों को समझना है।



शंघाई को आपरेशन, क्वाड जैसे संगठन भारत के लिए ज्यादा कारगर नहीं

इंग्लैंड दिल्ली के प्रोफेसर सतीश कुमार ने अपने वक्तव्य में बताया कि शंघाई को आपरेशन, क्वाड जैसे संगठन भारत के लिए ज्यादा कारगर नहीं हो सके, क्योंकि इन संगठनों की डोर भारत के हाथ में नहीं थी। भारत नेपाल के सम्बन्ध में चीन के हस्तक्षेप को भी आपने खतरनाक बताया। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के राष्ट्रीय संगठनमंत्री श्री गोलक बिहारी राय जी ने बताया कि चीन की विस्तारवादी नीतियों के कारण पड़ोसी देशों की संप्रभुता खतरे में पड़ गई है। संगोष्ठी के द्वितीय दिवस के मुख्य वक्ता सप्रे ने भारतीय ज्ञान परंपरा का विस्तार पूर्वक वर्णन कर संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने अखंड भारत का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अखंड भारत के लिए क्षेत्र में सांस्कृतिक एकता आवश्यक है। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि जिस प्रकार यूरोपीय देशों में एकता देखी जाती है। उसी प्रकार हिंद महासागरीय राष्ट्र समूह की भी एकता होनी चाहिए।

चीन धीरे-धीरे मंगोलिया, तिब्बत, उईगुर को निगल रहा

हिमाचल प्रदेश केन्द्रिय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति विभाग के उपाध्यक्ष प्रोफेसर कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री ने चीन के विस्तारवाद पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार चीन ने मंगोलिया तिब्बत और उईगुर प्रांत को निगल लिया। भारत की सीमाओं पर चीन का बढ़ते खतरे के प्रति सावधान रहना तथा चीन की विस्तारवादी नीति पर अंकुश लगाना आवश्यक है। संगोष्ठी में आए विभिन्न प्रतिभागियों ने अपने अपने पेपर प्रेजेंट किए। हिमालय हिंद महासागर की सुरक्षा सांस्कृतिक एकता पर निर्भर कार्यक्रम में समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. राजेश पांडे क्षेत्रीय अपर संचालक उच्च शिक्षा ने बताया कि हिमालय हिंद महासागर राष्ट्र समूह क्षेत्र की सुरक्षा इस क्षेत्र की सांस्कृतिक एकता पर निर्भर है और इस क्षेत्र की संस्कृतियों पर भारतीय संस्कृति का बहुत ही गहरा प्रभाव है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्राध्यापक, अतिथि प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं महाविद्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे। साथ ही बड़ी संख्या में ऑनलाइन भी प्रतिभागी उपस्थित थे।

EXCURSION TOUR/ACADEMIC TOUR

शैक्षणिक भ्रमण प्रतिवेदन छत्तीसगढ़ विधानसभा और जंगल सफारी नवा रायपुर - 18.03.2023

दिनांक 16.03.2023 को शास.विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के राजनीति विज्ञान विभाग के 38 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के साथ छत्तीसगढ़ विधानसभा और जंगल सफारी नवा रायपुर के शैक्षणिक भ्रमण हेतु प्रातः 9:30 बजे राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष Dr. शकील हुसैन के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में महाविद्यालय परिसर से बस क्रमांक CG 07 E 0714 से रवाना हुए। सभी प्रातः 9:30 बजे रवाना होकर 11 बजे छत्तीसगढ़ विधानसभा पहुंचे। जहां विद्यार्थियों को बजट सत्र की कार्यवाही, प्रश्नकाल नजदीक से अवलोकन करने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रश्नकाल के अनुभव से विद्यार्थी काफी खुश और उत्साहित नजर आ रहे थे। सत्र की कार्यवाही देखने के बाद विद्यार्थियों ने विधानसभा की लाइब्रेरी और सेंट्रल हॉल का भी भ्रमण किया। सेंट्रल हॉल में भ्रमण दल ने राज्य के गृहमंत्री माननीय श्री ताम्रध्वज साहू जी से मुलाकात की। इसी बीच सेंट्रल हॉल के सामने गार्डन परिसर में दुर्ग शहर के विधायक माननीय श्री अरुण वोरा जी के साथ भी विद्यार्थियों ने मुलाकात करके फोटो खिंचवाई। विधायक जी ने भ्रमण दल का विशेष ख्याल रखा और उनके दोपहर भोजन एवं जंगल सफारी की उत्तम व्यवस्था का प्रबंध भी कराया। उन्होंने स्वयं उपस्थित रहकर व्यवस्था का जायजा भी लिया, जिससे विद्यार्थी काफी प्रभावित हुए। भोजन के बाद भ्रमण दल जंगल सफारी के लिए विधानसभा से 3:00 बजे रवाना होकर 4:00 बजे नवा रायपुर पहुंचे। जहां विद्यार्थियों ने लायन सफारी, टाइगर सफारी, डियर सफारी और नंदन वन चिड़ियाघर का भी आनंददायक भ्रमण किया। विद्यार्थियों के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापकगण श्री तरुण कुमार साहू (प्रभारी अधिकारी), Dr. राजेश्वरी जोशी, Dr. रश्मि गौर एवं श्रीमती राखी भारती भी उपस्थित थे। शाम 7 :00 बजे नवा रायपुर से सफलतापूर्वक भ्रमण कर 9:00 बजे वापस महाविद्यालय परिसर में पहुंचकर सभी विद्यार्थियों के घर वापस जाने की व्यवस्था की गई।



छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय

कमांक 3102/सम्मेलन/C-01(I)/2023

रायपुर, दिनांक 13/03/2023

प्रति,

प्राचार्य,
शासकीय वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
जिला - दुर्ग (छ.ग.)
दूरभाष : 0788 2211688, 2212030
ई-मेल: pprinci2010@gmail.com

विषय: गुरुवार, दिनांक 16 मार्च, 2023 को छत्तीसगढ़ विधान सभा के कार्यवाही के अवलोकन एवं भ्रमण की अनुमति विषयक।

संदर्भ: आपका पत्र कमांक 468/23, दिनांक 10/03/2023

—00—

आदेशानुसार, उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्र के संबंध में, मुझे आपको यह सूचित करना है कि आपके महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र-छात्राओं व प्राध्यापकों (कुल 59) को गुरुवार दिनांक 16 मार्च, 2023 को पूर्वान्ह 11.00 बजे विधान सभा की कार्यवाही के अवलोकन पश्चात् विधानसभा परिसर भ्रमण की अनुमति प्रदान की जाती है।

तदनुसार, कृपया प्रभारी प्राध्यापक को यह सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित करें कि विधान सभा भ्रमण के दौरान, समस्त छात्र-छात्राएं पूर्ण शांति एवं व्यवस्था बनाये रखेंगे तथा वांछित प्रवेश पास उक्त तिथि को अधोहस्ताक्षरी से संपर्क कर पूर्वान्ह 10.45 बजे अवश्य प्राप्त कर लें।

यह भी सुनिश्चित करेंगे कि प्रभारी प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं पहचान-पत्र के साथ भ्रमण पर पहुँचेंगे तथा सदन की कार्यवाही के अवलोकन हेतु दर्शक दीर्घा में हैंड बैग, मोबाइल फोन, कैमरा, नोट बुक, हाथ घड़ी, पेन, चश्मा, अंगूठी, कंधी, चिल्डर पैसा, जूते, मोजा, बेल्ट आदि के साथ प्रवेश वर्जित है।

भवदीय,

अवर सचिव
छत्तीसगढ़ विधान सभा सचिवालय
दूरभाष- 0771-2285207



शैक्षणिक भ्रमण 2023 -24; विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश)

महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को दिनांक 12.02.2024 से 17.02.2024 तक शैक्षणिक भ्रमण हेतु विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) का भ्रमण कराया गया। भ्रमण दल को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम. ए. सिद्दीकी एवं विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन के मार्गदर्शन में दुर्ग - विशाखापट्टनम एक्सप्रेस (18529) से शाम 6 बजे दुर्ग स्टेशन से रवाना किया गया। भ्रमण दल में प्रभारी अधिकारी श्री तरुण कुमार साहू एवं सहयोगी प्राध्यापक डॉ. राजेश्वरी जोशी, डॉ. रश्मि गौर एवं श्रीमती राखी भारती भी विद्यार्थियों के साथ शामिल थे। विद्यार्थियों में दल प्रमुख के रूप में रिकेश, सुरेंद्र बघेल, करन राजपूत, चंद्रशेखर, सृष्टि, खिलेश, प्रिया, संजना आदि विद्यार्थी भी उपस्थित थे। विद्यार्थियों ने अपने भ्रमण के दौरान 'क्लीन विशाखा ग्रीन विशाखा' विषय पर नगर की सफाई व्यवस्था के बारे में विशाखापट्टनम नगर निगम के बारे में लोगों से प्रश्नावली के द्वारा डाटा एकत्र कर उनका मत जानने का प्रयास किया।



शैक्षणिक भ्रमण रिपोर्ट: बस्तर क्षेत्र

राजनीति विज्ञान विभाग – शासकीय विश्वनाथ यादव तामरकर स्नातकोत्तर

स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

अवधि: 17 से 19 मार्च 2025

स्थान: बस्तर क्षेत्र

भागीदारी: 38 विद्यार्थी

प्रमुख बिंदु:

उद्देश्य:

राजनीति विज्ञान से संबंधित जमीनी स्तर पर अध्ययन।

शासन की योजनाओं की वास्तविकता को समझना।

नेतृत्व एवं मार्गदर्शन:

प्राचार्य: डॉ. अजय कुमार सिंह

विभागाध्यक्ष: डॉ. शकील हुसैन

भ्रमण प्रभारी: प्रो. तरुण कुमार साहू

सहयोगी शिक्षक: डॉ. राजेश्वरी जोशी, डॉ. रश्मि गौर, श्री शाहबाज अली एवं श्री अमित सिंह

अध्ययन स्थल:

प्राकृतिक स्थल: चित्रकूट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात

धार्मिक स्थल: दंतेश्वरी माता मंदिर (दंतेवाड़ा)

ऐतिहासिक स्थल: ढोलकल गणेश स्थल

मुख्य गतिविधियाँ:

प्राथमिक डेटा संग्रह व सर्वेक्षण

स्थानीय समुदायों से संवाद

सरकारी योजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन

पर्यावरण, पर्यटन, संस्कृति व प्रशासनिक नीतियों का अवलोकन

प्राप्त अनुभव:

व्यावहारिक ज्ञान एवं सामाजिक समझ में वृद्धि

प्रशासनिक व सामाजिक चुनौतियों का प्रत्यक्ष अध्ययन

पुस्तकीय ज्ञान के साथ व्यवहारिक दृष्टिकोण का विकास

प्रशंसा एवं भविष्य की योजना:

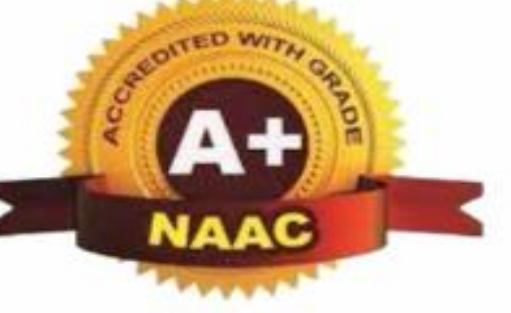
महाविद्यालय प्रशासन द्वारा भ्रमण दल की सराहना

भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक दौरों को प्रोत्साहन देने का संकल्प



युवा संसद कार्यक्रम

साइंस कॉलेज दुर्ग में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संसदीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रवर्तित एवम् PM- USHA द्वारा प्रायोजित युवा संसद (तरुण सभा) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य कक्ष में डॉ एम . ए. सिद्दीकी, डॉ ए. के. खान एवं अन्य ने आदरणीय श्री गजेन्द्र यादव जी, माननीय विधायक दुर्ग शहर का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। एनसीसी कैडेट एवं एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा कदमताल करते हुए मुख्य अतिथि को सलामी देकर युवा संसद कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया गया, जहां आदरणीय श्री गजेन्द्र यादव जी के द्वारा माता सरस्वती जी का पूजन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम ए सिद्दीकी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि आदरणीय विधायक जी की उपस्थिति ने कार्यक्रम में जान फूंक दी है। यह कार्यक्रम उनकी उपस्थिति में ही किया जाना नियमतः सुनिश्चित किया गया है। विधायक जी के साथ मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री शिवेंद्र परिहार एवं श्री ठाकुर उपस्थित थे। विधायक जी ने अपने उद्बोधन भाषण में युवा सांसदों को संसद की कार्यप्रणाली से रूबरू कराते हुए बताया कि कैसे शून्यकाल, प्रश्नकाल एवं ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से संसद में पक्ष एवम विपक्ष के बीच सवाल जवाब किए जाते हैं। उन्होंने युवा सांसदों को प्रोत्साहित करते हुए भविष्य में भी वास्तविक राजनीति से जुड़कर अपनी सक्रिय भूमिका अदा करने का आह्वान किया और शुभकामनाएं दीं। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ शकील हुसैन ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की और उन्होंने विधायक जी के द्वारा दी गई सारगर्भित जानकारी की प्रशंसा की। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ ज्योति धारकर के द्वारा किया गया एवं डॉ के पद्मावती का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। धन्यवाद ज्ञापन प्रो तरुण कुमार साहू के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापकों डॉ राजेश्वरी जोशी, डॉ रश्मि गौर, राखी भारती, शाहबाज अली, अमित सिंह का सक्रिय सहयोग रहा। साथ ही इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो जनेंद्र दीवान, प्रो प्रशांत दुबे एवम प्रो लक्ष्मिंद्र कुलदीप जी का विशेष योगदान रहा।



NATIONAL YOUTH PARLIAMENT SCHEME

Government of India
Ministry of Parliamentary Affairs



क्या हम भारत के हर जिले में एक mock parliament आयोजित कर सकते हैं। जहाँ ये 18 से 25 वर्ष के युवा, मिल बैठकर new india पर मंथन करें, रास्ते खोजें, योजनाएँ बनाएँ मैं चाहता हूँ कि 15 अगस्त के आस पास दिल्ली में एक mock parliament का आयोजन हो प्रत्येक जिले से चुना गया एक युवा, इस विषय पर चर्चा करें कि कैसे अगले पाँच सालों में एक new india का निर्माण किया जा सकता है।

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी
मन की बात 31.12.2017

Youth Parliament



(NYPS Tarun Sabha)



Registration ID: T-2023-2024/04734

On Saturday, 09 March 2024,
11:30 am Onwards
Venue: Radhakrihna Hall (Autonomous)

युवा संसद.....
हम सब मिलकर भारतीय लोकतंत्र में हमारी आस्था का फिर से प्रतिज्ञान करें

SPONSORED BY: PM- USHA
Department of Political Science
GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE
DURG, (C.G.)



भिलाई भास्कर 11-03-2024

युवा संसद...साइंस कॉलेज के छात्रों का सम्मान, विधायक ने कहा-पढ़ना जरूरी

सिटी रिपोर्टर/दुर्ग

साइंस कॉलेज में युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विज्ञान, कला, एवं वाणिज्य महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन में विधायक गजेंद्र यादव, कातुलबोर्ड से पार्षद शिवेंद्र परिहार प्रमुख रूप से शामिल हुए। विधायक ने कहा कि हमारे साधु-संत हमेशा से यह बात कहते आए हैं कि राजनीति राष्ट्रधर्म है। इस बात को हम सभी को समझने की जरूरत है। उन्होंने छात्रों को पढ़ने की नसीहत दी। परिहार ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घकालीन सोच का ही नतीजा है कि देश इस तेजी से आगे बढ़ रहा है। आने वाले समय में देश



साइंस कॉलेज में हुए युवा संसद कार्यक्रम में छात्रों का सम्मान करते विधायक।

विकसित भारत बनकर रहेगा। जवानों से सीधे संवाद भी किया। आयोजन में कॉलेज के प्राचार्य, प्राध्यापक और अन्य मौजूद थे। यादव ने कहा कि एसडीआरएफ के जवान भी किसी भी समस्या से निपटने हमेशा अलर्ट मोड में रहकर कार्य करते हैं। समाज के बीच रहकर सभी पर्व त्यौहारों एवं कार्यक्रमों में हम सबकी सुरक्षा में तैनात रहकर ड्यूटी करना सराहनीय है।

EXTENSION SERVICES

विस्तार कार्यक्रम: तितुडीह दुर्ग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम. ए. सिद्धकी की अनुमति से तथा राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन के मार्गदर्शन में एम.ए. राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों ने विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्ग के तितुडीह क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया। जिसमें उन्होंने घर - घर जाकर आयुष्मान भारत योजना एवं नारी शिक्षा से संबंधित सूचनाएं एकत्रित की और योजना संबंधी आधारभूत जानकारीयों से लोगों को अवगत कराया। स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने शहीद भगतसिंह राष्ट्रीय विद्यालय पहुंचकर स्कूली विद्यार्थियों को संबोधित किया एवं वार्षिक परीक्षा संबंधी मार्गदर्शन एवं करियर निर्माण के टिप्स दिए। इस कार्यक्रम में प्राध्यापक तरुण कुमार साहू, डॉ. राजेश्वरी जोशी, राखी भारती, शाहबाज अली एवं अमित कुमार उपस्थित थे। विद्यार्थियों में रिकेश गायकवाड, सुरेंद्र बघेल, सृष्टि फ्रांसिस, चंद्रशेखर, जयराम, प्रिया, संजना, गजानंद, भूपेंद्र आदि सभी विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से शामिल रहे।



शैक्षणिक सर्वेक्षण: सिरपुर, दिनांक -19/03/2024

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के एम. ए. राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने पीएम- उषा द्वारा प्रायोजित विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत सिरपुर (महासमुंद) में शैक्षणिक भ्रमण किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम. ए. सिहकी एवं विभागाध्यक्ष डॉ शकील हुसैन की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम हेतु प्रस्थान किया। पाठ्यक्रम पर आधारित इस भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों को डाटा संग्रहण एवं शोध कार्य संबंधी जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने लोगों से वार्तालाप कर लोगों से जानकारी हासिल की। इस गतिविधि के प्रभारी अधिकारी तरुण कुमार साहू थे एवं सहयोगी प्राध्यापकों में डॉ राजेश्वरी जोशी एवं डॉ रश्मि गौर कार्यक्रम में शामिल रहे।



मोहलाई में सविस्तार गतिविधि का आयोजन



भिलाई भास्कर 03-02-2025

भिलाई-रायपुर, सोमवार, 3 फरवरी, 2025 | 15

कॉलेज छात्रों ने ग्रामीणों को राजनीतिक सामाजिक और संवैधानिक जानकारी दी

सिटीरिपोर्टर/दुर्ग

साइंस कॉलेज दुर्ग के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा ग्रामीण समुदाय में जागरूकता और सहभागिता बढ़ाने के लिए ग्राम मोहलाई में गतिविधि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में की गई। विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन के नेतृत्व में अध्ययन दल ने मोहलाई के शासकीय पूर्व माध्यमिक, माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित किया और भारतीय संविधान के बारे में जानकारी साझा कर जागरूक करने का प्रयास किया। प्रभारी

अधिकारी तरूण साहू के नेतृत्व में राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने ग्रामीणों के साथ संवाद कर विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक व संवैधानिक विषयों पर चर्चा की। शाला के प्राचार्य लखनलाल साहू ने बताया कि वह भी साइंस कॉलेज दुर्ग के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्होंने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को शोध कार्यों के लिए प्रोत्साहित किया। अध्ययन दल में डॉ. राजेश्वरी जोशी, डॉ. रश्मि गौर, राखी भारती, शाहबाज अली, अमित सिंह, द्वितीय/चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों में गजानंद, निकेश, प्रिया, संजना, गौरव, मनीष मौजूद थे।

मोहलाई में हुआ सविस्तार गतिविधि का आयोजन

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा ग्रामीण समुदाय में जागरूकता व सहभागिता बढ़ाने हेतु ग्राम मोहलाई में सविस्तार गतिविधि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन के निर्देशानुसार अध्ययन दल ने ग्राम पंचायत मोहलाई के शासकीय पूर्व माध्यमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित किया और भारतीय संविधान के बारे में जानकारी साझा कर जागरूक करने का प्रयास किया। प्रभारी अधिकारी तरूण साहू के नेतृत्व में राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने ग्रामवासियों के साथ संवाद स्थापित कर विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं संवैधानिक विषयों पर चर्चा की। विद्यालय के प्राचार्य लखनलाल साहू ने बताया कि वह भी साइंस कॉलेज दुर्ग के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्होंने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को शोध कार्यों के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय भ्रमण उपरांत



अध्ययन दल ने स्थानीय निवासियों से संपर्क कर संविधान जागरूकता एवं शोध कार्य हेतु तथ्य संकलन की प्राथमिक विधियों और शासकीय योजनाओं तक जनता की पहुंच के बारे में अध्ययन करना सीखा। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीणों को नागरिक अधिकारों, लोकतंत्र में उनकी भागीदारी, सरकारी योजनाओं एवं स्थानीय शासन व्यवस्था की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने भी इस अवसर पर विभिन्न समूह चर्चाओं,

प्रश्नोत्तरी और जागरूकता अभियानों के माध्यम से सहभागिता की। अध्ययन दल में डॉ. राजेश्वरी जोशी, डॉ. रश्मि गौर, राखी भारती, शाहबाज अली, अमित सिंह एवं द्वितीय/चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों में गजानंद, निकेश, प्रिया, संजना, गौरव, मनीष, तेजेंद्र, हर्ष, हरीश, सुशील, दामिनी आदि कुल 55 सदस्य शामिल थे। ग्रामवासियों ने भी इस कार्यक्रम की सराहना की और इसे ज्ञानवर्धक तथा उपयोगी बताया।



Check In

Mohlai, Chhattisgarh, India

56vv+6fq, Mohlai, Chhattisgarh 491001, India

Lat 21.193215° Long 81.243794°

01/02/25 11:07 AM GMT +05:30

कवर्धा में सविस्तार गतिविधि का आयोजन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा PM-USHA 2.0 के अंतर्गत कवर्धा में शैक्षणिक एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संवैधानिक अधिकारों की जागरूकता हेतु सविस्तार गतिविधि, शासकीय योजनाओं का लाभ तथा मतदान जागरूकता को बढ़ावा देना था।

इस गतिविधि में एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के लगभग 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष विधि से जनता से संवाद करने, प्रश्नोत्तरी के माध्यम से तथ्य संकलन करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। यह अनुभव न केवल उनके शैक्षणिक विकास में सहायक रहा, बल्कि उन्हें समाज के विभिन्न वर्गों के दृष्टिकोण को समझने का अवसर भी मिला।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन एवं प्रभारी अधिकारी तरुण कुमार साहू के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सहयोगी प्राध्यापक डॉ. राजेश्वरी जोशी एवं शाहबाज अली ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा, अन्य प्राध्यापकों में डॉ. रश्मि गौर राखी भारती एवं अमित सिंह की भी सक्रिय सहभागिता रही।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण कराया गया, जिसमें ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व रखने वाले भोरमदेव मंदिर एवं प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण रानीदहरा जलप्रपात का दौरा शामिल रहा। इस भ्रमण से विद्यार्थियों को स्थानीय धरोहरों एवं पर्यटन स्थलों की महत्ता को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान एवं सामाजिक चेतना को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।



GUEST LECTURE

अतिथि व्याख्यान विषय: अस्तित्ववाद एवं महिला, तिथि: 08 मार्च 2025

राजनीति विज्ञान विभाग में दिनांक 08 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर “अस्तित्ववाद एवं महिला” विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अस्तित्ववादी दर्शन के सन्दर्भ में महिला की स्थिति, संघर्ष एवं स्वतंत्रता की अवधारणा से अवगत कराना था।

कार्यक्रम का विवरण कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ शकील हुसैन द्वारा स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने अतिथि वक्ता का परिचय देते हुए विषय की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् मुख्य अतिथि और प्रख्यात विदुषी डॉ. अरविंद शुक्ला ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अरविंद शुक्ला ने अस्तित्ववाद की मूल अवधारणा – व्यक्ति की स्वतंत्रता, चुनाव की जिम्मेदारी और अर्थ की तलाश को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने महिला के संदर्भ में अस्तित्ववाद की प्रासंगिकता बताते हुए कहा कि किस प्रकार अस्तित्ववाद महिलाओं को परंपरागत रूढ़ियों से बाहर निकलकर अपनी पहचान और स्वतंत्र अस्तित्व स्थापित करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सिमोन द बोउवार के विचारों पर भी चर्चा की, जिन्होंने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ The Second Sex में लिखा कि "स्त्री पैदा नहीं होती, बनाई जाती है।"

प्रश्नोत्तर सत्र में छात्र-छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण, आधुनिक समाज में अस्तित्ववाद की भूमिका और व्यक्तिगत निर्णयों की चुनौती पर प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. शुक्ला ने विस्तार से उत्तर दिया।

परिणाम स्वरूप यह व्याख्यान न केवल विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक दृष्टि से लाभकारी सिद्ध हुआ, बल्कि महिलाओं के अस्तित्व, अधिकार और आत्मनिर्भरता को लेकर एक नई दृष्टि भी प्रदान कर गया।

कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष ने अतिथि वक्ता को धन्यवाद ज्ञापित किया और विद्यार्थियों से अपने विचारों को आत्मसात कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया।

अस्तित्ववाद एवं महिला विषय पर यह अतिथि व्याख्यान अत्यंत विचारोत्तेजक एवं प्रेरणादायक रहा। इसने विद्यार्थियों को गहन चिंतन, आत्मविश्लेषण और महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरित किया। इस प्रकार कार्यक्रम अपने उद्देश्यों में पूर्णतया सफल रहा।



अतिथि व्याख्यान विषय: विकसित भारत का लक्ष्य और युवाओं की भूमिका

तिथि: 28/02/2025

दिनांक 28/02/2025 पर शासकीय वि. या. ता. स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने भारतीय संस्कृति के संरक्षण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए "बरगद के वृक्ष" का उदाहरण प्रस्तुत किया।

मुख्य वक्ता श्री नारायण जी ने "विकसित भारत का लक्ष्य और युवाओं की भूमिका" विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान देते हुए कहा कि भारत के युवाओं के हाथ में 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का दायित्व है। उन्होंने भारतीय संस्कृति, सकारात्मक सोच, पारिवारिक संरचना, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल युग में संतुलित जीवन और नागरिक कर्तव्यों की आवश्यकता पर बल दिया।

दूसरी मुख्य वक्ता डॉ. नीता बाजपेई ने "भारतीय ज्ञान परंपरा और युवा दृष्टि" विषय पर व्याख्यान देते हुए भारत के ऐतिहासिक गौरव, महिला शक्तियों जैसे अहिल्याबाई होल्कर एवं रानी लक्ष्मीबाई के उदाहरणों का उल्लेख किया। उन्होंने आधुनिक विज्ञान, योग, आयुर्वेद और सूर्य नमस्कार जैसी वैज्ञानिक परंपराओं के महत्व को रेखांकित करते हुए छात्रों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. शकील हुसैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्राध्यापक, अतिथि प्राध्यापक, विद्यार्थी एवं महाविद्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।



PUBLICATION

RESEARCH EXPRESSION

Research Expression is an interdisciplinary biannual and bilingual research journal published by **Government VYT Post Graduate Autonomous College (Erstwhile Government Arts and Science College)**. The primary objective of the journal is to publish quality research papers in higher Education and to provide a platform to erudite scholars, researchers, academicians and scientists with their scholarly articles and research papers. It is a peer reviewed Print journal with ISSN 2456-3455 dedicated to promote and publish high quality research. Its nature is completely multi-disciplinary and pluralistic as it aims to publish research papers not only in social sciences, Humanities but also in Commerce and Natural sciences. There is a plan to publish special issues from time to time.

https://www.govtsciencecollegedurg.ac.in/journals/Archive_details.aspx?id=9

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय A+
दुर्ग छत्तीसगढ़

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़, एक अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थान है जो यह हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग से संबद्ध है। कॉलेज की स्थापना 1958 में हुई तथा कॉलेज को 1989 में यूजीसी द्वारा स्वायत्त महाविद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ, तब से अब तक महाविद्यालय उत्कृष्टता के पथ पर अनवरत अग्रसर है। कॉलेज को नैक द्वारा लगातार दुजरी बार A+ स्तर प्रदान किया गया है। यूजीसी द्वारा इसे उत्कृष्टता के लिए संभावित कॉलेज (सीपीई) के रूप में मान्यता दी गई है। यूजीसी द्वारा सीपीई योजना के तहत कुल छः विभागों को उच्च श्रेणी निर्धारण वाले विभागों के रूप में चिह्नित किया गया है। महाविद्यालय के 22 विभाग शोध केंद्र के रूप में स्थापित हैं, जहां उच्च गुणवत्ता का शोध कार्य अनवरत जारी है। यह सम्भाग का लीड कॉलेज और राज्य का यह एक मात्र A+ कॉलेज है।

राजनीति विज्ञान विभाग

1958 में महाविद्यालय की स्थापना के समय से ही राजनीति विज्ञान विभाग कार्यरत है। स्नातक स्तर पर यह अत्यधिक लोकप्रिय विभाग है स्नातक स्तर के सर्वाधिक विद्यार्थी इस विभाग में पंजीकृत हैं। स्नातकोत्तर विभाग की स्थापना 1981 में हुई और 2001 में यह विभाग शोध केंद्र के रूप में स्थापित हुआ। तब से अब तक यह अनवरत रूप से उच्च श्रेणी के अध्ययन अध्यापन और शोध कार्य में संलग्न है तथा निरंतर उत्कृष्टता के पथ पर अग्रसर है। विभाग में NET/SET एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक सेल (प्रकोष्ठ) स्थापित है, अनेक विद्यार्थी लाभान्वित होकर अपेक्षित महाविद्यालयों में अध्यापन कार्य एवं शोधकार्य कर रहे हैं तथा अनेक विद्यार्थी प्रशासनिक सेवाओं में घटपित होकर अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं। प्राचार्य के सहयोग और उत्साहवर्धन से यह विभाग अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति अपने समर्पण की दिशा में श्रेष्ठ शोध कार्य के प्रकाशन का प्रयास कर रहा है, उस दिशा में यह पहला कदम है।

वर्तमान सामाजिक राजनीतिक
संदर्भ में
गांधीवादी चिंतन की
प्रासंगिकता

राजनीति विज्ञान विभाग
शासकीय वि.या.ता. स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय A+
दुर्ग छत्तीसगढ़

सम्पादक
डॉ. शकील हुसैन

प्रकाशक
राजनीति विज्ञान विभाग
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर
महाविद्यालय A+, दुर्ग छत्तीसगढ़

प्रथम संस्करण: 2023

मूल्य : 300

मुद्रक : बालाजी आफसेट नवीन शाहदरा दिल्ली 110032

प्रकाशकाधीन

इस किताब का स्वतंत्र लेखन विभिन्न लेखकों द्वारा किया गया है जो कि उनकी वैचारिकी और तथ्यों का संयोजन है जिसका समस्त दायित्व लेखक का है। जिसके लिए सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक की किसी भी प्रकार की जवाबदेही नहीं है। किसी भी परिवार के लिए न्यायिक क्षेत्र दुर्ग (छ.ग.) ही होगा। इस पुस्तक को प्रकाशित करने में लेखक, प्रकाशक एवं मुद्रक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी जानी अनजानी त्रुटि के लिए लेखक, प्रकाशक व मुद्रक लिखित रूप से क्षमाप्रार्थी हैं।

ISSN 2456-3455

ISSN 2456-3455

VOL VI, Issue 9 September 2023

Dr. R.N.Singh
| Principal / Patron
Dr. Qamar Talat
| Editor

ISSN 2456-3455

RESEARCH
EXPRESSION

BI-ANNUAL PEER REVIEWED
MULTI- DISCIPLINARY JOURNAL

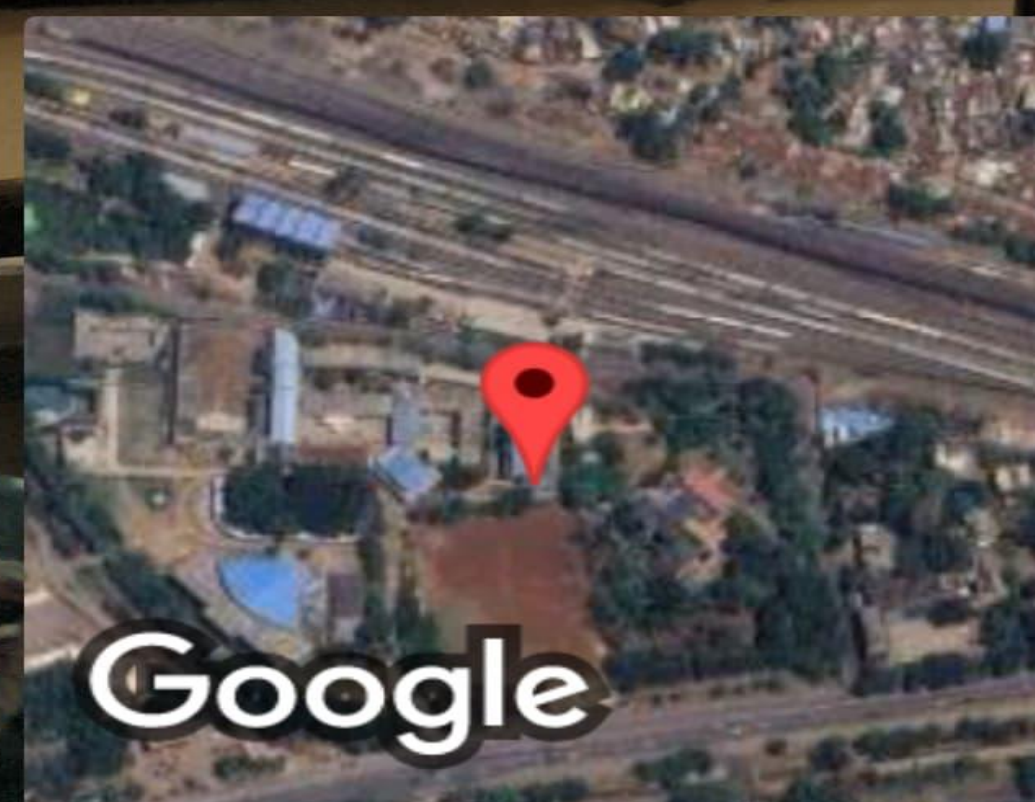
VOL VI, Issue 9, September 2023

Dr. R.N.Singh
| Principal / Patron
Dr. Qamar Talat
| Editor

ICT



 **GPS Map Camera**



Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57wx+q26, Deepak Nagar, Malviya Nagar,
Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196677° Long 81.297885°
08/03/2025 10:38 AM GMT +05:30



**Thank
You**